(किसी को)धंधले आते हैं	छल छंद का अभ्यास है।
धक्का खाना	धक्का सहना।
धक्के देकर निकालना	तिरस्कार और अपमान के साथ सामने से हटाना।
धक्का उठाना	नुकसान सहना। घाटा सहना।
धज्जियां उड़ना	फट या कटकर टुकड़े टुकड़े हो जाना। पुरजे पुरजे होना विदीर्ण होना। (किसी की)खूब दुर्गति होना। निंदा या तिरस्कार होना। दोष निकाला जाना।
धज्जियां उड़ाना	चीर या फाड़कर टुकड़े टुकड़े करना। विदीर्ण करना। खंड खंड करना। (किसी के)दोषों को खूब उधेड़ना। दुर्गति करना। निंदा या उपहास करना। मारकर टुकड़े टुकड़े करना। बोटी बोटी काट डालना।
धज्जियां लगना	गरीबी से कपड़े फटे रहना। चीथड़े पहनने की नौबत आना। बहुत गरीबी आना।
धज्जियां लेना	निंदा या उपहास करना। दोषों को उधेड़ना। बनाना दुर्गति करना।
धज्जी हो जाना	सूख कर ठठरी हो जाना। बहुत दुर्बल हो जाना। अशक्त हो जाना (रोग आदि के कारण)।
धड़ में उतारना	पेट में डालना। खा जाना।
धड़ में डालना	पेट में डालना। खा जाना।
धड़ रह जाना	शरीर स्तब्ध हो जाना। देह सुन हो जाना। लकवा मार जाना।
धड़ से सिर अलग करना	सिर काट लेना। मार डालना।
धड़का खुलना	कोई काम एक दो बार कर चुकने पर उसके सम्बन्ध की हिचक दूर होना।
धड़धड़ाता हुआ	धड़ धड़ शब्द और वेग के साथ। गड़गड़ाहट और झोंक के साथ। बिना रुकावट के और झोंक के साथ। बिना किसी खटके या संकोच के। बेधड़क।
धड़ल्ले से	बिना रुके। तेजी से। बेधड़क।

घड़ा उठाना	तौलना। वजन करना।
घड़ा करना	कोई वस्तु रखकर तौलने के पहले दोनों पलड़ों को बराबर कर लेना।
घड़ा बांधना	कोई वस्तु रखकर तौलने के पहले तराजू के दोनों पलड़ों को बराबर कर लेना। दोषारोपण करना। कलंक लगाना। दल बांधना।
घड़ाके से	फट से। जल्दी से। चटपट। बिना रूकावट के।
घड़ी जमाना	ओंठों पर मिस्सी की तह जमाना।
घड़ी घड़ी करके लूटना	तिनका तिनका लूटना। खूब लूटना। कुछ भी न छोड़ना।
घड़ी भरना	वजन करना।
घड़ी लगाना	ओंठों पर मिस्सी की तह जमाना।
घता होना	चलता होना। चल देना।
घता करना	चलता करना। हटाना। भगाना। टालना।
घता बताना	चलता करना। हटाना। जो किसी बात के लिए अड़ा हो उससे इधर उधर का बहाना करके अपना पीछा छुड़ाना। धोखा देकर टालना। टालटूल करना।
घतूरा खाये फिरना	पागल बना फिरना। उन्मत्त के समान घूमना। उ०- सूरदास प्रभु दरसन कारन माहुं घतूरा खाये। सूर।
घनकुट्टी करना	मारते मारते कचूमर निकालना। बहुत पीटना।
घनिये की खोपड़ी में पानी पिलाना	प्यासों मारना। बहुत कठिन दण्ड देना। बहुत तंग करना।
घन्नासेठ का नाती	बहुत धनाढ्य कुल का। (व्यंग्य)
घप्पा मारना	नुकसान करा देना। धोखा देकर कुछ माल ले लेना। उड़ा लेना।
(किसी पर) घब्बा रखना	कलंक लगाना। दोषारोपण करना।
घब्बा लगाना	कलंकित करना। बदनाम करना।

धमक पड़ना	वेग से आ पहुंचना। चटपट आ जाना।
धमकी मै आना	डराने से डरकर कोई काम कर बैठना।
धर दबाना	पकड़कर वश मै कर लेना। बलपूर्वक अधिकार मै कर लेना। किसी पर इस प्रकार आ पड़ना कि वह विरोध या बचाव न कर सके। आक्रान्त करना। तर्क या विवाद मै परास्त करना।
धर दबोचना	पकड़कर वश मै कर लेना। बलपूर्वक अधिकार मै कर लेना। किसी पर इस प्रकार आ पड़ना कि वह विरोध या बचाव न कर सके। आक्रान्त करना। तर्क या विवाद मै परास्त करना।
धर पकड़कर	जबरदस्ती। बलात्।
धरती का फूल	खुमी। छत्रक। कुकुरमुत्ता। नया उभरा हुआ धनी। नया निकला हुआ अमीर। मेढक।
धरती पर पावं न रहना	बहुत घमंड होना। घमंड या शेखी के मारे सीधे पैर न पड़ना। आनन्द के मारे अंग स्थिर न रहना। फूले अंग न समाना।
धरती पर पैर न रखना	घमंड के मारे सीधे पैर न रखना। घमंड या शेखी से फूलना। इतराना। आनन्द के मारे उछलना। बहुत प्रसन्न होना।
धरती बाहना	जमीन जोतना। परिश्रम करना।
धरन खसकना	गर्भाशय की नस का अपनी जगह से हट जाना। जिससे गर्भाशय इध र उधर हो जाता है।
धरन टलना	गर्भाशय की नस का अपनी जगह से हट जाना, जिससे गर्भाशय इधर उधर हो जाता है।
धरन डिगना	गर्भाशय की नस का अपनी जगह से हट जाना, जिससे गर्भाशय इधर उधर हो जाता है।
धरन सरकना	गर्भाशय की नस का अपनी जगह से हट जाना, जिससे गर्भाशय इधर उधर हो जाता है।

धरा-ढका	समय पर काम आने के लिए बचा कर रखी हुई वस्तु।
धरा रह जाना	काम में न आना। व्यर्थ हो जाना।
धर्म कमाना	धर्म करके उसका फल संचित करना।
धर्म कर्म का पक्का	कर्तव्य कर्म या सत्कर्म करने में दृढ़।
धर्म खाना	धर्म की शपथ खाना। धर्म की दुहाई देना।
धर्म छोड़ना	ईमान छोड़ देना।
धर्म बिगाड़ना	धर्म के विरुद्ध आचरण करना। किसी का धर्म भ्रष्ट करना। स्त्री का सतीत्व नष्ट करना।
धर्म में आना	अन्त:करण में उचित जान पड़ना।
धर्म रखना	धर्म के विरुद्ध आचरण करने से बचना या बचाना।
धर्म लगती कहना	सत्य सत्य कहना। ठीक ठीक कहना। उचित बात कहना।
धर्म से कहना	सत्य सत्य कहना। ठीक ठीक कहना। उचित बात कहना
धाक जमाना	रोब या दबदबा होना। आतंक छाना।
धाक बंधना	रोब या दबदबा होना। आतंक छाना।
धाक बांधना	रोब जमाना।
धाक पड़ना	बहुत जल्दी होना। बहुत शीघ्रता होना।
धाड़ मारना	चिल्ला-चिल्लाकर रोना।
धाय पूजना	दूर रहना। अलग रहना। जोड़ना। सम्बन्ध न रखना।
धार ~~चढ़ाना~~ चढाना	किसी देवी, देवता या पवित्र नदी आदि पर दूध, जल आदि चढ़ाना।
धार टूटना	गिरने का प्रवाह खंडित होना। लगातार गिरना या निकलना बंद हो जाना।
धार देना	दूध देना। कोई उपयोगी काम करना। (व्यंग्य)
धार बंधना	किसी तरल पदार्थ का धार बनकर गिरना। [illegible]

मंत्र आदि के बल से काटनेवाले वस्तु की धार निकम्मा हो जाना।

धार बांधना	किसी तरल पदार्थ को इस प्रकार गिराना जिसमें उसकी धार बन जाय। मंत्र आदि के बल से किसी हथियार की धार को निकम्मा कर देना।
धार मारना	जोर से पेशाब करना। किसी चीज को बहुत ही तुच्छ और अग्राह्य समझना।
धावा करना	आक्रमण करना। चढ़ाई करना।
धावा बोलना	अधिकारी का अपने सैनिकों को आक्रमण करने की आज्ञा देना। हमला करना।
धावा मारना	जल्दी जल्दी चलना। दूर तक चढ़ाई करना। दूर तक तेज चलकर जाना।
धुआं काढ़ना	बढ़ बढ़कर बातें कहना। उ०- जस अपने मुंह काढ़े धुआं। चाहेसि परा नरक के कुआं। जायसी ।
धुआं देना	धुआं छोड़ना। धुआं निकालना। धुआं पहुंचाना।
धुआं निकालना	बढ़ बढ़कर बातें कहना। शेखी हांकना।
धुआं रमना	कु धुएं का छाया रहना।
धुआं सा मुंह होना	चेहरे का रंग उतर जाना। अत्यन्त लज्जित होना। काला पड़ना। झांवरा होना।
धुआं होना (किसी वस्तु का)	काला हो जाना। झांवरा होना।
धुंधले का वक्त	वह समय जब कुछ अंधेरा हो जाय और स्पष्ट दिखाई न दे। बहुत सबेरे या सन्ध्या का समय।
धुएं उड़ाना	धज्जियां उड़ाना। छिन्न भिन्न करना। टुकड़े टुकड़े करना। नाश करना।
धुएं का धौरहर	थोड़े ही काल में मिटने या नष्ट होने वाली वस्तु या आयोजन। क्षणभंगुर वस्तु। उ०- (क) कबिरा हरि की भक्ति बिन धिक जीवन संसार। धुआं का सा धौरहर जात न लागै बार। कबीर। (ख) धुआं को सो धौरहर देखि तू न भूल रे। तुलसी ।

धुएं के बादल उड़ाना	भारी गप हांकना। झूठ-मूठ बड़ी बड़ी बातें कहना।
धुएं बखेरना	धज्जियां उड़ाना। छिन्न भिन्न करना। टुकड़े टुकड़े करना। नाश करना।
धुकधुकी धरकना	छाती धड़कना। जी धक धक करना। अकसमात आशंका या खटका होना। उ०- मिलनि बिलोकि भरत रघुबर की। पुरगन समय धकधकी धरकी। तुलसी ।
धुन का पक्का	आरम्भ किये हुए कार्य को पूरा करके छोड़नेवाला। फल फलोदय तक कर्म करनेवाला।
धुर सिर से	बिलकुल आरम्भ से । बिलकुल शुरू से।
धुर से धुर तक	आदि से अन्त तक। इस सिरे से उस सिरे तक।
धुर्रे उड़ा देना	किसी वस्तु के अत्यन्त छोटे छोटे टुकड़े कर डालना। छिन्न भिन्न कर डालना। अस्त व्यस्त या नष्ट भ्रष्ट कर डालना। बहुत दुर्गति करना। अत्यधिक मारना या पीटना। धज्जी उड़ाना। मटियामेट कर डालना।
धूनी देना	गंध मिश्रित या विशेष प्रकार का धुआं उठाना या पहुंचाना।
धूनी जगना	(साधुओं के पास की)आग जलना।
धूनी जगाना	साधुओं का तप के लिए अपने सामने आग जलाना। शरीर तपाना। तप करना। साधु होना। योगी होना। उ०- लाए ध्यान धूनी त्यौ उमंग मै उमैठो है। रसाल।
धूनी रमाना	साधुओं का तप के लिए आग को अपने पास जलाये रखना। तप करना। साधु हो जाना। विरक्त हो जाना। घर बार छोड़ देना।
धूनी लगाना	साधुओं का अपने सामने आग जलाना। शरीर तपाना। तप करना। साधु होना। विरक्त होना। योगी होना। उ०- लाए ध्यान धूनी त्यौ उमंग मै उमैठो है। रसाल।
धूप खाना	इस स्थिति मै होना कि धूप ऊपर पड़े। धूप मै गरम होना या तपना।
धूप खिलाना	धूप मै रखना। धूप लगने देना।

धूप चढ़ना — सूर्योदय के पीछे प्रकाश का बढ़ना या फैलना। घाम निकलना। दिन चढ़ना।

धूप दिखाना — धूप में रखना। धूप लगने देना।

धूप देना — धूप में रखना। धूप लगने देना।

धूप निकलना — सूर्योदय के पीछे प्रकाश और ताप फैलना। घाम आना।

धूप पड़ना — सूर्य का ताप अधिक होना।

धूप में बाल सफेद करना — बुढ़ा होना। और कुछ जानकारी प्राप्त न करना। बिना कुछ अनुभव प्राप्त किये जीवन का बहुत सा भाग बिता देना।

धूप लेना — गर्मी के लिए शरीर को धूप में रखना। धूप ऊपर पड़ने देना।

धूप सेंकना — धूप में रखकर शरीर में गर्मी पहुंचाना। धूप खाना।

धूम डालना — ऊधम करना। हल्ला गुल्ला करना।

धूरी करना — शीत से अंग सुन्न होने पर गरम राख, सोंठ की बुकनी आदि मलना।

धूरी देना — इधर उधर की बात कहकर या चापलूसी करके गौ पर लाना। अपने अनुकूल करना। बहकाना। धोखा देना।

(कहीं) धूल उड़ना — ध्वंस होना। सत्यानाश होना। बरबादी होना। तबाही आना। उदासी छाना। चहल पहल न रहना। सन्नाटा छा होना। रौनक न रहना।

(किसी की) धूल उड़ना — दोषों और त्रुटियों का उघेड़ा जाना। बुराइयों का प्रकट किया जाना। बदनामी होना। उपहास होना। दिल्लगी उड़ाना।

धूल उड़ाते फिरना — मारा मारा फिरना। जीविका या अर्थसिद्धि के लिए इधर उधर घूमना। दीन दशा में फिरना। व्याकुल घूमना

(किसी की) धूल उड़ाना — दोषों और त्रुटियों को उघेड़ना। बुराइयों को प्रकट करना। बदनामी करना। उपहास करना। हंसी करना।

धूल की रस्सी बटना — असम्भव बात के लिए श्रम करना। अनहोनी बात के पीछे

	पड़ना।व्यर्थ परिश्रम करना।
धूल चाटना	बहुत गिड़गिड़ाना।बहुत विनती करना।अत्यन्त नम्रता दिखाना।
धूल छानना	मारा मारा फिरना।हैरान घूमना।
(किसी की)धूल फड़ना	(किसी पर)मार पड़ना।पिटना।
धूल फाड़ना	किसी को मारना।शुश्रुषा करना।खुशामद करना।हार की लाज छोड़ देना।
(किसी बात पर)धूल डालना	(किसी बात को)इधर उधर प्रकट न होने देना।फैलने न देना।दबाना।ध्यान न देना।
धूल फांकना	जीविका के अभाव में दीनावस्था में इधर उधर मारा मारा फिरना।दुर्दशा में होना।सरासर झूठ बोलना।खाने को न पाना।ऐसे स्थान में जाना या रहना जहां बहुत गर्द हो।
(कहीं पर)धूल बरसना	उदासी बरसना।चहल पहल न रहना।रौनक न रहना।
धूल में मिलना	सर्वथा नष्ट होना।चौपट होना।खराब होना।ध्वस्त होना।जाता रहना।न रह जाना।
धूल में मिलाना	नष्ट करना।चौपट करना।खराब करना।ध्वस्त करना।बरबाद करना।
धूल ले डालना	(कहीं पर)अत्यधिक और बार बार जाना।बराबर पहुंचा रहना।बहुत फेरे लगाना।
धूल समझना	अत्यन्त तुच्छ समझना।किसी गिनती में न लाना।बिलकुल नाचीज ख्याल करना।
धो बहाना	न रहने देना।छोड़ देना।खो देना।
धोखा उठाना	झूठी बात का विश्वास करके हानि सहना।भ्रम में पड़कर हानि या कष्ट उठाना।
धोखा खड़ा करना	भ्रम में डालने के लिए आडम्बर खड़ा करना।माया रच उ०- चित चोखा,मन निर्मला,बुधि उत्तम,मति धीर।स धोखा नहि विरचही सतगुरु मिले कबीर। कबीर ।

धोखा खाना — छला जाना।भुलावे में पड़ना।हानि सहना।ठगा जाना। कौ प्रतारित होना।उ०- और न धोखा देत जो आपुहि धोखा खात। व्यास ।भ्रम में पड़ना।और का और समझना।उ०- जिमि कपूर के हंस सों हसी धोखा खाय। हरिश्चन्द्र ।

धोखा दे जाना — असमय में मरना या नष्ट होना।

धोखा देना — ~~ऐसी मिथ्या प्रतीति उत्पन्न करना जिससे दूसरा कोई अनुचित कार्य कर बैठे।~~भ्रम में डालना।भुलावा देना।बुत्ता देना।छलना।भ्रम में डालकर अनिष्ट करना।किसी को ऐसी हानि पहुंचाना जिसके सम्बन्ध में वह सावधान न हो।उ०- रहिए लटपट काटि दिन बरु घामहिं में सोय।छांह न वाकी बैठिए जो तरु पतरो होय।जो तरु पतरो होय एक दिन धोखा देहै।जा छिन बहै बयार टूटि वह जर से जैहै। गिरधर ।अकस्मात मर कर या नष्ट होकर दु:ख पहुंचाना।

धोखा पड़ना — अन्यथा होना।और का और होना।जैसा समझा या कहा जाय उसके विरुद्ध होना।उ०- पंडितन कहा परा नहिं धोखा।कौन अगस्त समुद्रहिं सोखा। जायसी । भूल चूक होना।भ्रम पड़ना।

धोखा लगना — चूक या कसर होना।त्रुटि होना।कमी होना।उ०- हीरामन तैं प्रान परेवा।धोखा न लाग करत तुव सेवा। । जायसी ।

धोखा लगाना — चूक या कसर करना।त्रुटि करना।कमी करना।उ०- माइहु लावहु धोख जनि आजु काज बड़ मोहिं।सुनि सरोष बोले सुभट वीर अधीन न होहिं।तुलसी।

धोखा लाना — त्रुटि करना।

धोखे की टट्टी — वह परदा जिसकी आड़ में शिकारी किसी जानवर को मारता है।मायाजाल।

धोखे में — जान में नहीं।जान-बूझकर नहीं।भूल से।उ०- (क) जिमि धोखे मदपान करि सचिव सोच तेहि भांति। तुलसी । (ख) काज ~~कहा नरतनधरि सार्यो~~।पर-उपकार सार श्रुति को सो धोखेहु में न बिचार्यो। तुलसी ।

कहा नरतन धारि सारयो।

धोखे में आना	छला जाना। भुलावे में पड़ना। प्रतारित होना। हानि सहना। कुछ का कुछ समझ लेना।
धोखे से	जान में नहीं। जान-बूझकर नहीं। भूल से। उ०- जिमि धोखे मदपान करि सचिव सोच तेहि भांति। तुलसी।
धोती खराब होना	अनजान में पाखाना होना।
धोती ढीली करना	डर जाना। भयभीत होना। डर कर भागना।
धोती ढीली होना	भय होना। डर होना।
धोती बांधना	धोती पहनना। उ०- मुद्रा श्रवन जनेऊ कांधे। कनक पत्र धोती कटि बांधे। जायसी। तैयार होना। सन्नद्ध होना।
धोव पड़ना	धोया जाना। धुलने की क्रिया होना।
धोबी का कुत्ता	उठल्लू आदमी।
धोबी का छेला	दूसरे के माल पर इतरानेवाला। मंगनी या परायी चीज का घमंड करनेवाला। मंगनी कपड़े पहनकर निकलनेवाला।
धोया धाया	निष्कलंक। निर्दोष। साफ। निर्लज्ज। बेहया। धृष्ट।
धौंक लगना	शरीर पर ताप का प्रभाव पड़ना। लू लगना।
धौंकनी लगना	सांस चढ़ना। दम फूलना।
धौंस की चलना	चाल चलना।
धौंस देना	चढ़ाई का डंका बजाना। चढ़ाई की घोषणा करना।
धौंस पट्टी में आना	भुलावे में आना। बहकाने से कोई काम कर बैठना।
धौंस बांधना	खर्चा जिम्मे करना। खर्चा मढ़ना।
धौल कसना	चांटा लगाना। थप्पड़ मारना।
धौल खाना	चांटा सहना। थप्पड़ की मार सहना।
धौल जमाना	चांटा लगाना। थप्पड़ मारना।
धौल धूर्त	गहरा धूर्त। पक्का चालाक। उ०- ऊधो! हम यह कैसे मानें। धूत धौल लंपट फरा पट हरि तैसे औरन जानें। सूर।
ध्यान आना	भावना होना। विचार उत्पन्न होना। स्मरण होना। याद होना।

ध्यान करना	ध्यान लगाना। परमात्मचिन्तन आदि के लिए चित्त को एकाग्र करना।
ध्यान छूटना	चित्त की एकाग्रता नष्ट होना। चित्त इधर उधर हो जाना। उ०- रोवन लग्यो सुत मृतक जान। रुदन करत छूटयो ऋषि ध्यान। सूर। ध्यान भंग होना।
ध्यान जमना	विचार स्थिर होना। मन का एक ही विषय के ग्रहण में बराबर तत्पर रहना। ध्यान न बंटना। चित्त एकाग्र होना।
ध्यान जाना	चित्त का किसी ओर प्रवृत्त होना। दृष्टि पड़ना और बोध होना।
ध्यान दिलाना	दूसरे का चित्त प्रवृत्त करना। ख्याल कराना व जताना। चेत कराना। सुझाना। स्मरण करना। याद दिलाना।
ध्यान देना	चित्त को किसी एक ओर प्रवृत्त करना। चित्त एकाग्र करना। ख्याल करना। गौर करना।
ध्यान धरना	किसी के स्वरूप का चिन्तन करना। एकाग्र भाव से ईश्वर आदि का चिन्तन करना।
ध्यान पर चढ़ना	मन में स्थान कर लेना। चित्त से न हटना। अच्छे लगने या और किसी विशेषता के कारण न भूलना। बोध या अनुमान होना। समझ में आना। स्मृति में आना। स्मरण होना। याद होना।
ध्यान बंटना	चित्त का इधर उधर रहना। चित्त एकाग्र न रहना। ख्याल इधर उधर होना।
ध्यान बंटाना	चित्त को एकाग्र न रहने देना। ख्याल इधर उधर ले जाना
ध्यान बंधना	किसी ओर चित्त का लगा रहना। चित्त एकाग्र होना। विचार का बराबर या बहुत देर तक बना रहना। लगातार ख्याल बना रहना।
ध्यान में आना	बोध या अनुमान होना। समझ में आना।
ध्यान में जमना	मन में बैठना। चित्त में निश्चित होना। विश्वास के रूप में स्थिर होना।

ध्यान में डूबना	कोई बात इतना मन में लाना कि और सब बातें भूल जायें।
ध्यान में न लाना	चिन्ता न करना। परवाह न करना। न सोचना, समझना, न विचारना।
ध्यान में मग्न होना	कोई बात इतना मन में लाना कि और सब बातें भूल जायें।
ध्यान में लाना	मन में लाकर मग्न होना। उ०- परसत पोंछत लखि रहत लगि कपोल के ध्यान। कर लै पिय पाटल विमल प्यारी पठए पान। बिहारी।
ध्यान रखना	स्मृति बनाये रखना। याद रखना। न भूलना। विचार बनाये रखना।
ध्यान रहना	स्मरण रहना। याद रहना।
ध्यान लगना	चित्त प्रवृत्त होना। मन का विषय के ग्रहण में तत्पर होना। चित्त एकाग्र होना। मन में विचार बना रहना। उ० ध्यान लगो मोहिं तोरा रे। गीता।
ध्यान लगाना	चित्त प्रवृत्त करना। चित्त एकाग्र करना। ख्याल करना। गौर करना। किसी के स्वरूप का चिन्तन करना।
ध्यान से उतरना	स्मृति में न रहना। याद न रहना। विस्मृति होना। भूलना।
ध्वनि उठना	शब्द उत्पन्न होना या फैलना।